Literacy for a Billion

Movie: Madhumati
Year: 1958

Song: Aaja Re Pardesi
Lyricist: Shailendra

मैं तो कबसे खड़ी इस पार
ये अँखियाँ थक गईं पंथ निहार
आ जा रे ... परदेसी

मैं तो कबसे खड़ी इस पार
ये अँखियाँ थक गईं पंथ निहार
आ जा रे ... परदेसी

मैं दीये की ऐसी बाती
जल ना सकी जो
बुझ भी ना पाती
मैं दीये की ऐसी बाती
जल ना सकी जो
बुझ भी ना पाती
आ मिल मेरे जीवन साथी
ओ ...

आ जा रे
मैं तो कबसे खड़ी इस पार
ये अँखियाँ थक गईं पंथ निहार
आ जा रे ... परदेसी

तुम संग जनम जनम के फेरे
भूल गए क्यों साजन मेरे
तुम संग जनम जनम के फेरे
भूल गए क्यों साजन मेरे
तड़पत हूँ मैं साँझ सवेरे
ओ ...

आ जा रे
मैं तो कबसे खड़ी इस पार
ये अँखियाँ थक गईं पंथ निहार
आ जा रे ... परदेसी

मैं नदिया फिर भी मैं प्यासी
भेद ये गहरा बात ज़रा सी
मैं नदिया फिर भी मैं प्यासी
भेद ये गहरा बात ज़रा सी
बिन तेरे हर साँस उदासी
ओ ...

आ जा रे
मैं तो कबसे खड़ी इस पार
ये अँखियाँ थक गईं पंथ निहार
आ जा रे ... परदेसी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.